Hindi Murli Quiz 01-05-2015

यह क्विज आज की मुरली पर आधारित है |

Q.1) **Q.गीत का अर्थ करने से**

- A. वाणी खुल जायेगी।
- B. समझ अच्छी हो जाएगी |
- C. बाप का नाम बाला कर सकेंगे |

Q.2) **Match the following**

	Choice	Match
A	बीती को चिंतन में न लाकर फुलस्टॉप लगाने वाले	तीव्र पुरुषार्थी भव!
B	यदि कोई बीती को चिंतन करता है तो	समय, शक्ति, संकल्प सब वेस्ट हो जाता है।
C	अभी वेस्ट करने का समय नहीं है क्योंकि	संगमयुग की दो घड़ी अर्थात् दो सेकेण्ड भी वेस्ट किया तो अनेक वर्ष वेस्ट कर दिये	
D	फुलस्टॉप लगाना अर्थात्	सर्व खजानों से फुल बनना।

Q.3) **Q.इनमें से गलत वाक्यों का चयन करें -**

- A. इतना बड़ा जो विनाश होता है, भगवान ही कराता है, दु:ख भी वह देता, सुख भी वह देता।
- B. जो भी ऊंच ते ऊंच धर्म स्थापक हैं, वह अब तमोप्रधान हैं।
- C. ब्रह्मा-विष्णु-शंकर को शरीर नहीं है |
- D. वाम मार्ग विकारी मार्ग को कहा जाता है।
- E. भारत अविनाशी खण्ड है। यह कभी विनाश होता नहीं है।
- F. कहते हैं फलाना स्वर्ग पधारा।

Q.4) **Q.__ हजार वर्ष से पुरानी चीज कोई होती नहीं।**

- 5
- ५
- पाँच
- paanch

Q.5) **Q.आज के स्लोगन अनुसार स्वयं का और विश्व का कल्याण कब होगा ?**

- A. जब हर संकल्प श्रेष्ठ होगा |
- B. जब आकारी और अलंकारी बनेंगे |
- C. जब एकमत और एकरस अवस्था होगी |

Q.6) **Q.आज के गीत के लिए जो-जो भी बाबा ने कहा है या सही है - उसका चयन करें ?**

- A. बच्चों को सिखलाने के लिए कई गीत बड़े अच्छे हैं।
- B. इस गीत में बाप की ग्लानि की है |
- C. बच्चों की बुद्धि में तो है कि हम सभी दिन की यात्रा पर हैं, रात की यात्रा पूरी होती है।
- D. आज का गीत - रात के राही.....
- E. आज का गीत - आने वाले कल .....
- F. भक्ति मार्ग है ही रात की यात्रा। अन्धियारे में धक्का खाना होता है।
- G. बच्चों की बुद्धि में तो है कि हम सभी दिन की यात्रा पर हैं, रात की यात्रा पूरी होती है।
- H. अभी आये हो दिन की यात्रा पर। यह यात्रा एक ही बारी करते हो।

Q.7) **Q.जो और कुछ बोल नहीं सकते हैं वह सिर्फ यह याद रखें -**

- A. शान्तिधाम है हम आत्माओं का घर, सुखधाम है स्वर्ग की बादशाही और अभी यह है दु:खधाम, रावणराज्य।
- B. यह ड्रामा पांच हज़ार वर्ष का है | अब घर जाने का समय है |
- C. इन शरीरों को देखते हैं, यह भी सारी पुरानी दुनिया की सामग्री है। यह सारी सामग्री इस यज्ञ में स्वाहा होनी है।

Q.8) **Match the following**

	Choice	Match
A	बाप तो विनाश उनसे कराते हैं	जिस पर कोई पाप न लगे।

B	रचता और रचना को कोई नहीं जानते। न जानने कारण	निधनके बन पड़े हैं।
C	एक ही घर में बच्चे बाप के साथ, पुरूष स्त्री के साथ लड़ते रहते हैं।	दु:खधाम में है ही अशान्ति।
D	अपने को आत्मा समझो।	आत्मा है अविनाशी, शरीर है विनाशी।
E	इस समय तुम हो संगमयुगी	बाकी सब हैं कलियुगी। एक ही घर में बाप कलियुगी तो बच्चा संगमयुगी। स्त्री संगमयुगी, पुरूष कलियुगी..... कितना फर्क हो जाता है।
F	एक ही घर में बच्चा जानता है हम संगमयुगी पुरूषोत्तम पवित्र देवता बन रहे हैं, लेकिन	बाप कहते शादी बरबादी कर नर्कवासी बनो।

Q.9) **Match the following**

	Choice	Match
A	जिससे दुश्मनी होती है तो	तो उनका एफिजी जलाते हैं ना।
B	जैसे रावण को जलाते हैं। तो दुश्मन से	कितनी घृणा होनी चाहिए।
C	स्वर्ग में तो ऐसी कोई बात होती नहीं।	वहाँ तो बिजली में रखा और खत्म। वहाँ यह ख्याल नहीं रहता कि उनकी मिट्टी काम में आये।
D	वहाँ की तो रस्म-रिवाज ऐसी है जो	कोई तकलीफ अथवा थकावट की बात नहीं रहती।
E	बाप बच्चों को समझाते रहते हैं-मीठे बच्चे,	अपने ऊपर अटेन्शन का पहरा देते रहो।
F	इम्तहान पास किया,	मर्तबे की टोपी मिली।

Q.10) **Q.वह समझते हैं यह राखी बांधने आती हैं, कुछ देना पड़ेगा। बोलो हमको और कुछ चाहिए नहीं सिर्फ 5 विकारों का दान दो। यह दान लेने लिए हम आये हैं इसलिए पवित्रता की राखी बांधते हैं। बाप को याद करो, पवित्र बनो तो यह (देवता) बनेंगे। बाकी हम पैसा कुछ भी नहीं ले सकते हैं। हम वह ब्राह्मण नहीं हैं। सिर्फ 5 विकारों का दान दो तो ग्रहण छूटें।**

A. ◉ True

B. ○ False